मची होरी उड़े रे गुलाल सखी रे बरसाने में

मची होरी उड़े रे गुलाल सखी रे बरसाने में ,
अरि हां सखी बरसाने में,
मची होरी उड़े रे गुलाल सखी रे बरसाने में ,

नन्द गांव के ठाकुर प्यारे,
होरी को बरसाना पधारे,
ठाकुर प्यारे बरसाना पधारे,
लठ बरसे पकड़े बाल सखी री बरसाने में,
मची होरी उड़े रे गुलाल सखी रे बरसाने में ,

सवारी सखियाँ देवे गाली,
चित मचित चाहु और है भारी,
ये तो देवे गाली देवे गाली,
तेरो चले न कोई वार,सखी री बरसाने में,
मची होरी उड़े रे गुलाल सखी रे बरसाने में ,

भर पिचकारा श्याम चलावे,
ऊंची अटारी पे धूम मचावे,
तेरे लाडला है गयो लाल,सखी री बरसाने में,
मची होरी उड़े रे गुलाल सखी रे बरसाने में ,

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/9520/title/machi-holi-ude-re-gulal-sakhi-re-barsane-me

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |